जीबीसी से दिखेगी उप्र की क्षमता : योगी

मुख्यमंत्री ने की तैयारियों की समीक्षा 10 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों पर शुरू होगा क्रियान्वयन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 19 से 21 फरवरी तक आयोजित होने वाली ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी 4.0) की तैयारियों की समीक्षा के लिए मंगलवार को अपने सरकारी आवास पर उच्चस्तरीय बैठक की। उन्होंने कहा कि फरवरी 2018 में यूपी इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन के बाद उसी वर्ष जुलाई में आयोजित पहली ग्राउंड ब्रेकिंग में 60 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों का क्रियान्वयन प्रारंभ हुआ था। उसके बाद छह वर्ष से भी कम समय में आयोजित होने जा रही चौथी जीबीसी में 10.11 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों की जमीन पर उतारने की तैयारी है। जीबीसी 4.0 देश के ग्रोथ इंजन के रूप में उभरते उप्र के आर्थिक कायान्तरण, बदलावों और रफ्तार का साक्षी बनेगी। यह पूरे देश के औद्योगिक विकास को गति देने का माध्यम बनेगी।

विभिन्न विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, विकास प्राधिकरणों के सीईओ के साथ हुई इस विशेष बैठक में मुख्यमंत्री ने विभागवार और जिलावार निवेश प्रस्तावों की समीक्षा करते हुए जीबीसी के सफल आयोजन के लिए दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 16 देशों के 21 नगरों, देश के 10 शहरों में रोड शो सहित प्रदेश के सभी 75 जिलों में हुए निवेशक सम्मेलनों के बाद 10-12 फरवरी, 2023 तक आयोजित यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (यूपीजीआइएस) के माध्यम से 39.52 लाख करोड़ के रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनसे 1.1 करोड़ नौकरी/रोजगार के अवसर सृजित होंगे। यूपीजीआइएस के लगभग एक वर्ष बाद इनमें से एक-चौथाई से ज्यादा निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए हम तैयार हैं। जीबीसी 4.0 में 500 करोड़ रुपये से अधिक की 262 तथा 100-500 करोड़ रुपये तक की 889 औद्योगिक परियोजनाएं जमीन पर उतरेंगी। इनसे प्रदेश के सभी 75 जिले लाभान्वित होंगे। 3500 से अधिक निवेशक इस कार्यक्रम में उपस्थित होंगे। यह आयोजन उप्र की 25 करोड़ जनता की आकांक्षाओं, युवाओं की अपेक्षाओं को पूरा करने के साथ प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होने वाला है।

योगी ने कहा कि 19 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा एक साथ 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों के जमीनी क्रियान्वयन की शुरुआत होगी। इस अवसर पर उद्योग जगत के अनेक प्रतिष्ठित समूह, सीईओ, निवेशकों आदि उपस्थित होंगे। अनेक केंद्रीय मंत्री, विभिन्न देशों के राजदूत व जनप्रतिनिधि भी शामिल होंगे। ऐसे में समारोह की गरिमा और महत्ता के दृष्टिगत सभी आवश्यक प्रबंध कर लिए जाएं। सीएम फेलो की काउंसिलिंग व ट्रेनिंग करके उन्हें इन अतिविशिष्ट जनों के साथ संबद्ध किया जाए। समारोह के लिए पूरी राजधानी को सजाया जाए। राजधानी की स्वच्छता पर जोर देने के साथ उन्होंने स्पाइरल लाइट लगाने तथा टैक्सी स्टैंड, होर्डिंग आदि को व्यवस्थित रखने का निर्देश दिया। शहीद पथ पर सीसीटीवी कैमरे क्रियाशील रहें। पूरे वीवीआइपी रूट का सीसीटीवी कवरेज हो। अराजक तत्वों की कड़ी निगरानी की जाए। गणमान्य जनों के ठहरने, भोजन, आवागमन, पार्किंग आदि व्यवस्था के समुचित प्रबंध किए जाएं। उन्होंने सभी अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव से कहा कि वे अपने विभागीय मंत्री के नेतृत्व में विभाग को प्राप्त हर एक औद्योगिक निवेश प्रस्ताव की तत्काल समीक्षा करें।

विवि-कालेजों में हो छात्रों से संवाद : मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से पहले सेवानिवृत्त आइएएस/आइपीएस/आइएफएस अधिकारियों, कुलपतियों के सहयोग से विभिन्न विश्वविद्यालयों/कालेजों में युवाओं के साथ इन्वेस्टर्स समिट की उपयोगिता, महत्ता, प्रभाव के बारे में संवाद किया गया था। इससे अच्छा संदेश गया, जागरुकता भी बढ़ी। इस बार जीबीसी के पूर्व 16-17 फरवरी के बीच ऐसे प्रयास करने चाहिए। जीबीसी के दौरान 20 और 21 फरवरी को विभिन्न विषयों पर सेक्टोरल सत्र आयोजित होंगे जिनमें तकनीकी, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन संस्थानों के छात्रों को आमंत्रित किया जाए। उनके आवागमन की समुचित व्यवस्था की जाए।

संबंधित खबरें >> 14

मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के आयोजन की समीक्षा की • सूचना विभाग

- 500 करोड़ से अधिक की 262 व 100 से 500 करोड़ तक की 889 परियोजनाएं जमीन पर उतरेंगी
- प्रदेश के सभी जिलों को मिलेगा फायदा, ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में मौजूद रहेंगे 3,500 निवेशक

सभी जिलों में होगा पीएम के संबोधन का सीधा प्रसारण

मुख्यमंत्री ने कहा कि जीबीसी 4.0 के मुख्य समारोह में प्रधानमंत्री के संबोधन का सभी जिलों में सीधा प्रसारण कराया जाए। इसके लिए स्क्रीन लगाई जाएं। जिलाधिकारियों की ओर से स्थानीय उद्यमियों, व्यापारियों को प्रधानमंत्री का संबोधन देखने-सुनने के लिए आमंत्रण पत्र भेजा जाए। इसमें जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति हो। देशभर के दिग्गज निवेशक लखनऊ में जुटेंगे।